



TEST CODE 8 1 4 4 1 6

AF 2025

Time Allowed : Three Hours
समय : तीन घंटे**ForumIAS**Maximum Marks : 250
अधिकतम अंक : 250**GENERAL STUDIES / सामान्य अध्ययन**

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	VIJAYPAL BIJARAMIYA		
Roll No./अनुक्रमांक	191015596	Medium/माध्यम	English <input type="checkbox"/> हिंदी <input checked="" type="checkbox"/>
Center Code/परीक्षा केंद्र	1903	Date/दिनांक	18/8/25

*Center Code : For Online - 1900 / Delhi : Karol bagh - 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. - 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका			INSTRUCTION / अनुदेश		
Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक	1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet. कृपया उत्तर-पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।		
1			2. There are TWELVE questions printed in ENGLISH & HINDI, all questions are compulsory. उत्तर पुस्तिका में अंग्रेजी/हिंदी में बारह प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।		
2			3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।		
3			4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।		
4			5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off. प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।		
5					
6					
7					
8					
9					
10					
11					
12					
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
Total/कुल अंक	250		For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु		
Examiner's Discretion/मूल्यांकन कर्ता का विवेक :			Start Time/प्रारंभ करने का समय :	End Time/समाप्त करने का समय :	
			11:10 AM	2:10 PM	
Total Marks/कुल अंक :			Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि :	Online/ऑनलाइन <input type="checkbox"/> Offline/ऑफलाइन <input type="checkbox"/>	
*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy. मूल्यांकन कर्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ्लोचार्ट, तथ्यों और आकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।			For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु		
			ECN CODE/ ईसीएन कोड :	EG/ईजी :	Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि :
				① ② ③ ④ ⑤	

Note: Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

EXAMINER'S REMARKS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition.** Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of (but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow =** Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R =** How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.



Section - A

Q.1) a) 'Unconscious biases in parenting continue to shape gendered experiences in India.' Do you agree with this view? Discuss. (10 marks, 150 words)

'पालन-पोषण में अचेतन पूर्वाग्रह भारत में लिंग-आधारित अनुभवों को आकार देते हैं।' क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

समाजीकरण की प्रक्रिया परिवार में शुरू होती है जहाँ पालन-पोषण में अचेतन पूर्वाग्रह लिंग आधारित अनुभवों को आकार देते हैं -

अचेतन पूर्वाग्रह → लिंग आधारित अनुभव

① पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रह के कारण बेटों को अधिक लाड़-प्यार → बेटों में लक्षणा की भावना।

② भाषायी पूर्वाग्रह - 'राजा बेटा' लड़कियों में सापेक्षिक हीनता काग।

③ कामों का बँटवारा → लड़कियों को रसोई में काम करने की बाध्यता → मिथ्या चेतना (अधीनता) का निर्माण।

- ④ पोषण में पूर्वाग्रह → लड़कों को अधिक पोषित खाना व मात्रा भी ज्यादा
- ⑤ पारिवारिकों में भेदभाव → लड़कियों पर बाल को घर में बाहर न निकलने देना।
- ⑥ पहनावे का पूर्वाग्रह → लड़कियों को क्रॉक अलवार शूट की बचता।

कैवल असेलन पूर्वाग्रह ही नहीं

- ① निम्न परिवार भी पिछले जन्म के मानसिकता व 'बुझपे में सहारे' के आधार पर जान बूझकर लड़कों को करीबता।
- ② सामाजिक दबाव में लड़कियों का वस्तुकरण
- ③ धार्मिक कुरीतियाँ - धार्मिक धर्म के समय असम्पत्तियाँ

ये पूर्वाग्रह नैतिकता के मानव महसूस में विस्तार, अतिरिक्त परिवर्तन व सरेदनशील समाज के निर्माण का दूर दूर जा सकते हैं।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



b) Distinguish between empathy and compassion. Why are they considered as foundational values in public services? (10 marks, 150 words)

समानुभूति और करुणा में अंतर स्पष्ट कीजिए। इन्हें सार्वजनिक सेवाओं में आधारभूत मूल्य क्यों माना जाता है? (10 अंक, 150 शब्द)

डेनियल गोलमेन के अनुसार समानुभूति वह मनो वैज्ञानिक क्षमता है जो किसी मनुष्य की भावनाओं को उसी स्तर पर महसूस करने की दृष्टि देती है

यथा - एक IAS अधिकारी द्वारा दिव्यांग व्यक्ति के साथ जमीन पर बैठकर सुनवाई।

वही करुणा समानुभूति का अगला स्तर है जहाँ व्यक्ति न केवल सामने वाले की पीड़ा को महसूस कर रहा है बल्कि उसकी पीड़ा को दूर करने में सक्रिय भूमिका भी निभाता है।

eg) मदर टेरेसा द्वारा कलकत्ता में बीमार लोगों की सेवा।

0 समानुभूति व करतगा लोकसेवाओं के माधारभूत मूल्य :-

① समानुभूति सिविल सेवक में वक्षित वर्गों की व्यथा को महसूस करने की दृष्टि से
 ए) डालिया भलासी अभियान द्वारा राध से पैला दौरे की प्रथा रोकना।

② डरुणा लोकसेवक में वक्षित वर्गों से जुड़ी योजनाओं के प्रति पूर्ण समर्थन का व डरुणा का संचार -

ए) IAS समित्त शर्मा द्वारा व्यक्तियों के कावभूत राजस्थान में निःशुल्क दवा मॉडल लागू करवाना व गरीबों का मुफ्त इलाज शुरू करवाना।

इस प्रकार दोनों मूल्य 'नैतिक अविश्वस' की स्थापना में सहायक

ए

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table.			
Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.2) a) The current society is witnessing rising levels of intolerance. What are the consequences of this situation for personal well-being and for societal well-being? What can one do at the personal level to become tolerant? (10 marks, 150 words)

वर्तमान समाज में असहिष्णुता का स्तर बढ़ता जा रहा है। इस स्थिति के व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण पर क्या प्रभाव पड़ेगे? सहिष्णु बनने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर क्या किया जा सकता है? (10 अंक, 150 शब्द)

“असहिष्णुता: विरोधी शक्तों, धर्म, संस्कृति, विश्वासधारा व लोगों के प्रति विद्वेष, घृणा व उत्पीड़न की प्रवृत्ति है।”
(सत्यरंजिणी)

NCRB Report 2023 के अनुसार 2022 में ही 378 लोगों की बलाह दर्ज हुई।

व्यक्तिगत व सामाजिक कल्याण पर प्रभाव

① असहिष्णुता घृणा व कोविक हानि में प्रवृत्ति। (सत्यरंजिणी)

② यह पूर्वग्रह व अज्ञान को प्रोत्साहित

③ समाज में नाइतिहास, भौतिक, मानववाह का कारण। (सत्यरंजिणी - अल्पसंख्यक हिंसा)

क) कहरवाह के कारण नोकलों की कुवियों का कारण। (एच > पाकिस्तान)

ख) धुआँ से रिसा व अर्वात आलापरण व नैतिक पलन। एच > मीरिया

घ. सहिष्णु बनने हेतु व्यक्तिगत प्रयास

1) विविध धर्म, संस्कृति व विचार धारा के प्रति खुला दृष्टिकोण।

2) विपक्षी मतों, विषयों का अध्ययन

3) व्यापक हित को परीक्षण
(आंतरिक समाज) (उपयोगितावाद)

4) अकारणक उदाहरणों द्वारा अतिरिक्त
वदनाप

इस प्रकार 'सार्कमैमिक प्रेरितता'
व मानवतावादी कुवियों' द्वारा 'सहिष्णु'
चरित्र निर्मित होगा।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table.			
Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

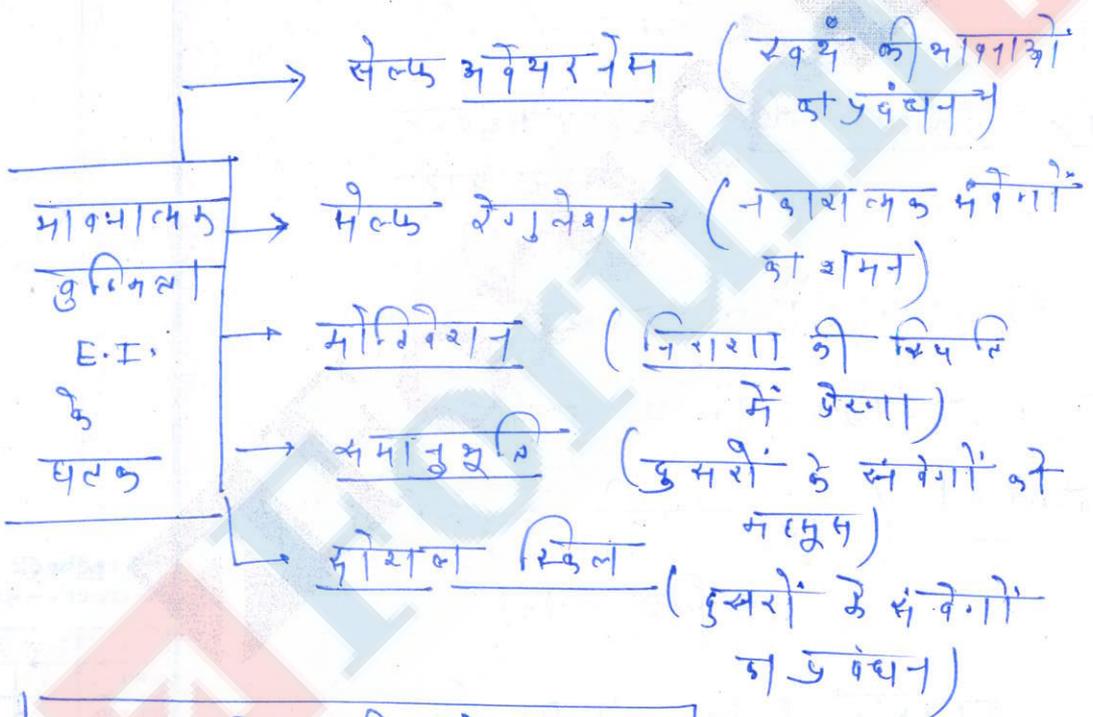


b) What are the main components of emotional intelligence and how does it help an individual in taking ethical decisions? (10 marks, 150 words)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के मुख्य घटक क्या हैं और यह किसी व्यक्ति को नैतिक निर्णय लेने में किस प्रकार सहायता करती है? (10 अंक, 150 शब्द)

डैनियल गोलमेन के अनुसार

किसी व्यक्ति में स्वयं व दूसरों के संवेगों का नियंत्रण व पहचान भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।



E.I. नैतिक निर्णय में सहायता

① स्वयं के नकारात्मक संवेगों की पहचान

व प्रबंधन (ए) गुस्से में ब्रह्म पर धार चढ़ाना → अर्थव्यवस्था)

② निराशा व असफलता के दौर में होश खोने से बचना

(ए) 2010 की फीफा वर्ल्डकप सुआरेज द्वारा विपक्षी खिलाड़ी को काट लेना)

③ दूसरे लोगों की भावनाओं को समझकर नैतिक निर्णय

ए) (द्वितीय व्यक्ति → हाथ पकड़कर सड़क पार करना)

④ दूसरों की भावनाओं पर प्रबंधन द्वारा गलत व अर्थव्यवस्था निर्णय करने से बचना

(ए) पिताजी को हरेन न लेने के लिए मानना)

इस प्रकार E.I., I.O. की

दुलना में मुख्य को अधिक नैतिक

निर्णय में सहायक हैं

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table.			
Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.3) Given below are the three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context?

नीचे तीन महान विचारकों के उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में इनमें से प्रत्येक उद्धरण आपको क्या संदेश देता है?

a) "This life is short, the vanities of the world are transient, but they alone live who live for others, the rest are more dead than alive."-Swami Vivekanand (10 marks, 150 words)

"यह जीवन छोटा है, संसार की व्यर्थताएँ क्षणिक हैं, लेकिन केवल वे ही जीवित हैं जो दूसरों के लिए जीते हैं, बाकी लोग जीवित से अधिक मृत हैं।" - स्वामी विवेकानंद (10 अंक, 150 शब्द)

"परहित चरित् चरम नही भाई
परपीड़ा सब नही अधिकाई"

।। स्वामी
बुधसिंहदास

। स्वामी विवेकानंद का यह कथन

उनके नव्य वैदानी चिंतन की ही अभिव्यक्ति
है।

नव्य वैदानी के अनुसार 'ब्रह्म - इवा'
में ईश्वर है और इसी में हरिद्व
जावायव की संकल्पना विकसित
हुई है।

प केवल वे ही जीवित जो दूसरों के लिए

जीने है क्योंकि

① जीवन में परोपकार से मानसिक सुख

② दूसरों के लिए जीना जीवन में निबन्ध कर्मा का संसार।

③ जीवन में आध्यात्मिक उन्नति की कहाल है।

कामि मूल क्योंकि

① शरीर नखर व स्वार्थपूर्ण जीवन से कौटुंबिक की लागि

② शारीरिक सुखों से वरीयता त्रेणिक पत्म का मार्ग

ए → लज्जरी जीवन → मुहलधार

③ अमिगत स्वार्थ जीवन की संकीर्ण संधारणा।

इस प्रकार स्वामी विवेकानंद परार्थवादी त्रेणिका द्वारा 'उद्देश्य पुस्तक जीवन' की संकल्पना स्थापित करते हैं।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



b) "If you cry because the sun has gone out of your life, your tears will prevent you from seeing the stars." - Rabindranath Tagore (10 marks, 150 words)

"यदि आप इसलिए रोते हैं कि आपके जीवन से सूर्य चला गया है, तो आपके आँसू आपको तारे देखने से रोकेंगे।" - रवींद्रनाथ टैगोर (10 अंक, 150 शब्द)

मनुष्य के दार्शनिक रवींद्रनाथ टैगोर
का यह कथन जीवन जीने के
सारात्मक दृष्टिकोण की स्थापना करता
है।

यदि मनुष्य वर्तमान दुखों के कारण
निराशा व हताशा होकर निष्क्रिय हो
जाता है तो अस्थिर में अंधेरा / अक्षयता
के बिना कुछ भी मिलेगा।

① राष्ट्र के स्तर पर PL-480 योजना आयोजित
गई थी जो काला आरत निवारण
के लक्ष्य को 'हरित क्रांति' नहीं का
पानी।

② कृषि के स्तर पर - नाली जर्मनी के

विरुद्ध मित्र राष्ट्रों की सेना को D-DAY
 के दिन कड़ी जनता के कावक्ष
 उन्होंने होसना नहीं मंगया (Normandy
 Landing
 1944)

⑤ खेल के स्तर पर - 2001 कलकत्ता
 विश्व मेच में इण्डिया का बरमण द्वारा
 पानी की हार को खना।

इस प्रकार जीवन में सदैव
 'Light at the end of tunnel' as
 विचार लाशा, निपशा से कही
 अधिक बेहतर हैं।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



c) "Two ways of building character – cultivating strength to challenge oppression, and tolerate the resultant hardships that give rise to courage and awareness." - Sardar Patel (10 marks, 150 words)

"चरित्र निर्माण के दो तरीके - उत्पीड़न को चुनौती देने के लिए शक्ति का विकास करना, और परिणामस्वरूप होने वाली कठिनाइयों को सहन करना, जिससे साहस और जागरूकता का उदय होता है।" - सरदार पटेल (10 अंक, 150 शब्द)

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान
अपने संघर्षों की शक्ति अमिष्य
क देखा लौह पुरुष के कथन
में अमिष्य दर्श है।

प) चरित्र निर्माण हेतु → उत्पीड़न को
चुनौती देने की
शक्ति का विकास

1) क्रांति कार्रमियों द्वारा मान लौखिम
में अर्थों की शक्ति → देखा के
लिए अद्वैत समर्पण युद्ध चरित्र

2) अंगद सिंह, सुखदेव, राजगुरु |

3) उत्पीड़न को चुनौती देने की
शक्ति - कर्मिष्य में इन्द्रा, साहसक

संरक्षण जैसे सुझावों का विकास।

① सुझावों को अलग करना →

हाल के जागरूकता का 365

① संरक्षित स्थानों से दृष्टि

धुना के संरक्षण वाली स्वरूप

उदाहरण

② स्थानों को अलग करने से

दृष्टि के अभाव → समय निर्माण

ए) वैश्वानर मंडल के संरक्षण के

उदाहरण 'भोमना मनु'

द्वारा जीवन दृष्टि में संरक्षण के

संरक्षण निर्माण की दृष्टि से

एक संरक्षण म संरक्षण है।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.4) a) "With great power comes great responsibility." In the present context, 'Big Tech' headquartered in developed countries wield disproportionate influence over digital infrastructure, personal data, and global narratives—often prioritising profit over ethical considerations. What ethical principles should guide such corporations in building a fair, inclusive, and just global digital framework?

(10 marks, 150 words)

"बड़ी शक्ति के साथ बड़ा उत्तरदायित्व भी आता है।" वर्तमान संदर्भ में, विकसित देशों में मुख्यालय वाली बड़ी तकनीकी कंपनियाँ डिजिटल अवसंरचना, व्यक्तिगत डेटा और वैश्विक आख्यानो (नैरेटिव) पर असंगत प्रभाव डालती हैं—अक्सर नैतिक विचारों पर लाभ को प्राथमिकता देती हैं। ऐसे निगमों को एक निष्पक्ष, समावेशी और न्यायसंगत वैश्विक डिजिटल ढाँचा बनाने में किन नैतिक सिद्धांतों द्वारा मार्गदर्शित होना चाहिए?

(10 अंक, 150 शब्द)

वैश्वीकरण के 'ना उपनिवेशवादी'
दृष्टिकोण आधारित बड़ी कंपनियाँ
(Google, M.S.) आदि निरामशील
देशों के हितों को असमाप्त रूप
रूप से प्रभावित करती हैं।

Big Tech द्वारा अनुत्तरदायित्व

- ① विकसित देशों में डिजिटल अवसंरचना के 'बहुनी मंडल' का उन्मूलन।
- #B डेटा चोरी।

② व्यभिचार उदा-चोरी व पिज्जा का हान

व) छातसल्प उदा - डाक वेब पर लीक

③ नेरेटिव → वेस्टर्न वैल्यूज व विचारों को समर्थन।

④ मानविक नैतिक सिद्धांत

⑤ रिमिड संयुक्त का सम्मान

⑥ उपयोगिता की नजरिया

(केवल पडा की जगह संख्या विश्व महत्वपूर्ण)

⑦ Corporate Governance की अनुपालना

⑧ संस्कृत मुक्त चर्चों को नेतृत्व।

कम प्रकार प्रियता, व उन्नतिय

Tech. MNC. के लिए आवश्यक है।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



b) What do you understand by the term 'crisis of conscience'? Describe an incident from your life where you experienced such a crisis. How did you deal with it? (10 marks, 150 words)

'अंतरात्मा के संकट' से आप क्या समझते हैं? अपने जीवन की किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जहाँ आपको ऐसा संकट महसूस हुआ हो। आपने कैसे उस स्थिति का समाधान किया? (10 अंक, 150 शब्द)

'बदलरू' के शब्दों में अंतरात्मा हमारा नैतिक मन है जो ईश्वरीय आदेशों जैसी शक्ति रखता है एवं अनैतिक दबाव द्वारा अनैतिक क्रियाओं से रोकता है।

अंतरात्मा का संकट वह स्थिति है जब 'अंतरात्मा' स्वयं नैतिक अनैतिक का निर्णय नहीं ले पाती है। इसे श्रुति (Doubtful) अंतरात्मा कहा जाता है।

मेरे जीवन में अंतरात्मा का संकट जब उत्पन्न हुआ जब मैं अपनी विचारों में जो बनाए हुए हॉमिडल लेटर पढ़ा

जहाँ पहले से ही लंबी लाइन लगी हुई थी। पहचान वाला डॉक्टर होने के कारण मैं सीधा डॉक्टर के पास जाना चाहता था क्योंकि माँ की लंबीयत खराब हो रही थी लेकिन अन्ध मरीजों, जिनका नम्बर आने वाला था, को देखकर मेरे कदम रुक गए।

यहाँ मेरी और रात्ना स्वयं पुश्चि में थी। समाधान हेतु मैंने सभी मरीजों से मातापुत्रि पर्वत अनुसंधान किया कि मेरी माँ की लंबीयत खराब हो ले सभी ने पहले दिखाने की अनुमति दी।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.5) a) "A politics of confession that encourages politicians and parties to confess and offer regret for their errors can surely be a cathartic experience." Examine the statement from the ethical point of view. (10 marks, 150 words)

"स्वीकारोक्ति की राजनीति जो राजनेताओं और दलों को अपनी गलतियों को स्वीकार करने और उनके लिए खेद प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित करती है, निश्चित रूप से एक भाव विरेचक (मनोवैज्ञानिक रूप से शुद्ध करने वाला) अनुभव हो सकती है।" नैतिक दृष्टिकोण से इस कथन का परीक्षण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

स्वीकारोक्ति का भाव स्वयं
की गलतियों की पहचान, स्वीकारना
का आत्मनिरीक्षण ज्ञानि. को हर
हर नैतिक परीक्षण का साथ करती
है।

राजनेता क हों के लिए मूल्य

- (1) गलतियों को स्वीकारना।
- (2) आलोचनाओं को समझने में।
- (3) भविष्य में वही प्रतिक्रिया देना
को उचित।
- (4) लोकसरोपण से न्याय।

6) जन विख सनीयल में प्रक्रि

7) त्रैनिंग प्ररिग की सुहला

8) इहम प्ररिग व पार्सडवा
में क्यार

कम उकर एकीकरोजि
आरिग सुहला की समथ
है

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



b) What are the key objectives of the Right to Information Act, 2005? Examine the ethical concerns associated with certain provisions of the Digital Personal Data Protection Act in realizing the objectives of the RTI Act. (10 marks, 150 words)

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं? सूचना का अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों की प्राप्ति में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के कुछ प्रावधानों से जुड़े नैतिक मुद्दों का परीक्षण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

RTI, 2005 द्वारा प्रशासन
की प्रत्यक्ष जवाबदेही व नागरिकों के
सामूहिकता का भाव है।

प्रमुख उद्देश्य

- ① पारदर्शी व जवाबदेह प्रशासन।
- ② प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व को बढ़ाना।
- ③ 'हीमल वादी' मानसिकता का खंडन
(2009 A.P.E.)
- ④ प्रशासनों में जनता के उच्च उत्तरदायित्व
की भावना का दिव्य।
- ⑤ 'नागरिकों' में 'अधिकार-चेतना'
का निर्माण।
- ⑥ शुल्काचार व पकड़े दुरुपयोग को रोकना।

• डिजिटल डेटा सुरक्षा एक्ट व RTI संबंधी
नैतिक मुद्दे

① 'राष्ट्रीय सुरक्षा व सार्वजनिक
हित में डेटा के प्रकटीकरण
पर रोक'

② डेटा निजता बनाम RTI के अर्थ
आवश्यक जानकारी के बीच संतुलन

ए) 'वैचारिक चर्चा शिखर' vs 'तनाक का
(निजता) आचार
कानून'

इस प्रकार RTI के डेटा प्रकटीकरण
व DDPA में सुरक्षा के बीच संतुलन
में 'व्यापक हित' को प्राथमिकता
दी जानी चाहिए।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.6) a) Public spaces serve as arenas of democratic participation and civic expression. Yet in India, they remain deeply gendered, with many women largely confined to the private and domestic sphere. Examine the factors that restrict women's access to public spaces. How can ethical governance help address the issue of gendered spatial control and promote inclusivity in public spaces?

(10 marks, 150 words)

सार्वजनिक स्थान लोकतांत्रिक भागीदारी और नागरिक अभिव्यक्ति के क्षेत्र हैं। फिर भी, भारत में, ये स्थान अभी भी लिंग-भेद से प्रभावित हैं, और कई महिलाएँ निजी और घरेलू दायरे तक ही सीमित हैं। उन कारकों का परीक्षण कीजिए जो महिलाओं की सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच को बाधित करते हैं। नैतिकता युक्त शासन, लिंग-आधारित स्थानिक नियंत्रण के मुद्दे को सुलझाने और सार्वजनिक स्थानों में समावेशिता को बढ़ावा देने में कैसे मदद कर सकता है? (10 अंक, 150 शब्द)

PLF 8 2024 के अनुसार मंत्री जी
10% महिला आवादी घर की चारदीवारी
तक सीमित हैं।

विद्यमान बाधाएँ

① महिलाओं में 'कॉरियर अभिचार चेतना'
का अभाव

② पिंसकात्मक मानसिकता का सार्वजनिक
स्थानों पर प्रभाव

③ महिलाओं का प्रत्यक्ष
अनुभव

उपयोग वाली मानसिकता

↓
असुरक्षित कार्य वातावरण

समावेशिता बढ़ाने के उपाय

(क) त्रैलिकला युवा आसन

① जेडर सेक्टर रील आसन
 ए > पुलिस।

(ख) समावेशनक समाज व
कारिसंस्कृति

(ग) शिक्षा के माध्यम से अक्षरता
परिवर्तन
 ए > को-एड स्कुलों का संस्थापन।

(घ) उशासन में भागीदारी व
संरक्षित करण

ए > महिला IPR, SHO, DM

समावेशी कलावस्था लैंगिक

भेदाप व मान spatial dominance

को समाप्त करेगा।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



b) Write short notes on the following in 30 words each:

- i) Ethical fading
- ii) Conflict of interest
- iii) Persuasion
- iv) Work culture
- v) Corporate governance

(10 marks, 150 words)

निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

- i) नैतिक लुप्तता
- ii) हितों का टकराव
- iii) अनुनयन
- iv) कार्य संस्कृति
- v) कॉर्पोरेट प्रशासन

(10 अंक, 150 शब्द)

(i) नैतिक लुप्तता नैतिक दायित्वों को
क मानकों के अनुसार मान्यता में
उत्तरोत्तर पतन -

- ए) सूरी के विक्रम हिंसा।
- ब) इंदोर - राजा रघुवंशी मर्डर।

(ii) हितों का टकराव आर्थिक कार्य
व निजी हित के बीच संघर्ष।

- ए) जल डमी केस का निर्णय जिसमें ए.ए.ए.
एक वकील था।

(iii) अनुनयन → अजिह्वित परिवर्तन का प्रयास
ए) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ।

(iv) कार्य संस्कृति - किसी संस्था के कर्मचारियों व प्रबंधन की कार्य शैली, गूणवत्ता, प्रभावशाली।

(v) कॉरपोरेट प्रशासन - निजी क्षेत्र की कंपनियों में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा प्रयुक्त प्रबंधन व प्रशासन।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Section - B

Q.7) A State Government in the northeastern part of the country has launched a series of anti-encroachment drives across forest areas, wetlands, and revenue lands. Under the directions of the Chief Minister, the administration has intensified efforts to reclaim public land, particularly in areas reserved for ecological protection and critical infrastructure development. Most of the time, these actions have been backed by court orders and have resulted in the recovery of thousands of hectares of land. However, in certain regions, the implementation of such drives is fraught with social and political complexities. In several districts, settlements have existed for decades and are inhabited by marginalized communities with limited access to legal rights or formal rehabilitation measures. These areas are often politically sensitive and influenced by local leaders and pressure groups.

Simanta is posted as Additional Deputy Commissioner (ADC) in one such district. Over the past year, the district administration has attempted to align eviction measures with welfare outreach, including the provision of temporary shelters, relocation assistance, and public consultations. Recently, a major operation was scheduled to clear encroachments from over 140 hectares of forest land within a Reserved Forest, primarily to curb rising instances of human-elephant conflict and to restore ecological balance. Anticipating eviction, some residents approached the High Court seeking a stay. However, the court refused to grant it and directed the administration to proceed with the eviction following due process. Notices were served, and a detailed roadmap was prepared to carry out the operation, which was expected to last 2–3 days due to the scale and remote location. On the first day, Simanta led a team comprising forest officials, municipal workers, and police personnel. Demolitions were conducted peacefully and without major resistance. However, on the second day, when the team returned to the site, a large group of agitated residents—primarily women and children—had gathered. They raised slogans and formed human chains to prevent further evictions. The atmosphere grew tense when some individuals began throwing stones, resulting in serious injury to a municipal worker. The crowd grew increasingly volatile and emotionally charged, demanding an immediate halt to the operation. The police contingent present on the ground was outnumbered by the crowd. Faced with this crisis, some team members pleaded with Simanta to call off the operation, fearing threats to their life and the possibility of a violent escalation. Simanta attempted to contact his superior officer (the Deputy Commissioner), but due to poor mobile connectivity in the forested area, communication could not be established. Meanwhile, several local journalists had arrived and begun reporting on the incident. Simanta is in a dilemma as to what to do.

- Evaluate the options available with Simanta to cope with the situation.
- Which of the above options would be the most appropriate for Simanta and why?
- What are the ethical dilemmas being faced by Simanta?
- Examine the qualities of a public servant which will be required to manage such situations.

(20 marks, 250 words)

देश के पूर्वोत्तर भाग में एक राज्य सरकार ने वन क्षेत्रों, आर्द्रभूमि और राजस्व भूमि पर अतिक्रमण विरोधी अभियानों की एक श्रृंखला शुरू की है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत, प्रशासन ने सार्वजनिक भूमि, विशेष रूप से पारिस्थितिक संरक्षण और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आरक्षित क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के प्रयासों को तेज़ कर दिया है। अधिकांशतः इन कार्रवाइयों को अदालती आदेशों का समर्थन प्राप्त रहा है और इसके परिणामस्वरूप हज़ारों हेक्टेयर भूमि वापस प्राप्त हुई है। हालाँकि, कुछ क्षेत्रों में, ऐसे अभियानों का कार्यान्वयन सामाजिक और राजनीतिक जटिलताओं से भरा है। कई ज़िलों में, बस्तियाँ दशकों से अस्तित्व में हैं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा बसाई गई हैं, जिनकी कानूनी अधिकारों या औपचारिक पुनर्वास उपायों तक सीमित पहुँच है। ये क्षेत्र अक्सर राजनीतिक रूप से संवेदनशील होते हैं और स्थानीय नेताओं और दबाव समूहों से प्रभावित होते हैं।

सिमंता ऐसे ही एक ज़िले में अतिरिक्त उपायुक्त (ADC) के पद पर तैनात हैं। पिछले एक साल में, ज़िला प्रशासन ने बेदखली के उपायों को कल्याणकारी प्रयासों के साथ जोड़ने का प्रयास किया है, जिसमें अस्थायी आश्रयों का प्रावधान, पुनर्वास सहायता



और सार्वजनिक परामर्श शामिल हैं। हाल ही में, एक आरक्षित वन क्षेत्र में 140 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया जाना था, जिसका मुख्य उद्देश्य मानव हाथी संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को रोकना और पारिस्थितिक संतुलन बहाल करना था। बेदखली की आशंका से, कुछ निवासियों ने इस पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हालांकि, अदालत ने इसे देने से इनकार कर दिया और प्रशासन को उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए बेदखली की कार्रवाई आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। नोटिस दिए गए और अभियान को अंजाम देने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया, जिसके पैमाने और दूरस्थ स्थान के कारण 2-3 दिनों तक चलने की उम्मीद थी। पहले दिन, सिमंता ने वन अधिकारियों, नगरपालिका कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों की एक टीम का नेतृत्व किया। तोड़फोड़ की कार्रवाई शांतिपूर्ण और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के पूरी की गई। हालांकि, दूसरे दिन, जब टीम घटनास्थल पर लौटी, तो उत्तेजित निवासियों का एक बड़ा समूह—मुख्य रूप से महिलाएं और बच्चे—इकट्ठा हो गए थे। उन्होंने नारे लगाए और आगे की बेदखली को रोकने के लिए मानव श्रृंखला बनाई। माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे एक नगरपालिका कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। भीड़ लगातार उग्र और भावनात्मक रूप से उत्तेजित होती जा रही थी, और ऑपरेशन को तुरंत रोकने की मांग कर रही थी। मौके पर मौजूद पुलिस बल भीड़ से संख्या में कम था। इस संकट का सामना करते हुए, टीम के कुछ सदस्यों ने अपनी जान को खतरा और हिंसक वृद्धि की संभावना के डर से सिमंता से ऑपरेशन बंद करने का अनुरोध किया। सिमंता ने अपने वरिष्ठ अधिकारी (उपायुक्त) से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन वन क्षेत्र में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण संचार स्थापित नहीं हो सका। इस बीच, कई स्थानीय पत्रकार वहां पहुंच गए और घटना की रिपोर्टिंग शुरू कर दी। सिमंता दुविधा में हैं कि क्या करें।

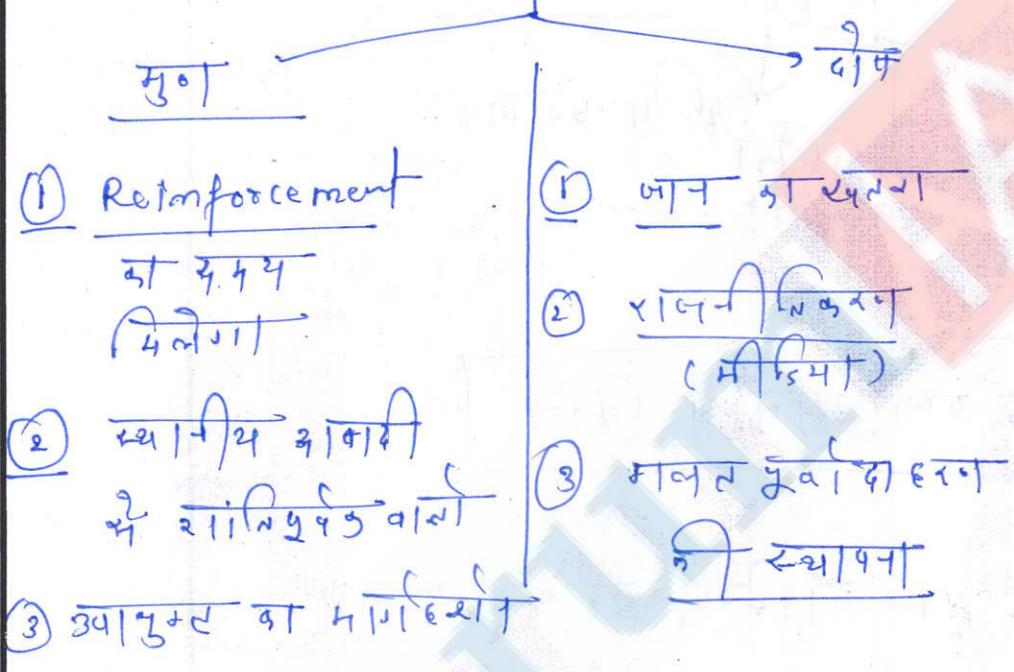
- स्थिति से निपटने के लिए सिमंता के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करें।
- सिमंता के लिए सबसे उपयुक्त होगा और क्यों?
- सिमंता को किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- ऐसी परिस्थितियों का प्रबंधन करने के लिए एक लोक सेवक के गुणों का परीक्षण करें। (20 अंक, 250 शब्द)

‘सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण
 विरोधी क्रियानों में मानवाधिकारों
 व पर्यावरण संरक्षण के प्रशासनिक
 दायित्व के मध्य दुविधा का
 क्षेत्र उपरोक्त प्रकार में
 उपस्थित है।



विषय ②

कारवाई को सीमित समय के लिए रोकना व उपग्रह में संपर्क बनाना



ब) सबसे उपग्रह को रोकने

यह विषय ② का ही परिष्कृत रूप होगा जिसमें उचित रूप में अंजाम देना उचित होगा -

① अतिक्रमण करने से पीछे हटाना

- ② स्थानीय आबादी के आन्विकारिक कार्यों
- ③ अनिश्चित बुनियात कल की भाँग।
- ④ उपायग्रह का मार्गदर्शन लेना।
- ⑤ उचित समय वधि में पुनर्वास की व्यवस्था।

(C) नैतिक दुविधाएँ

- ① प्रशासनिक कर्तव्य बनाम मानव अधिकार
 - ② पर्यावरण सुरक्षा बनाम मनुष्य के अधिकार
 - ③ आदेश की पालना बनाम अत्याचार
 - ④ पेशेवर दायित्व बनाम नैतिक दायित्व
- (*) ऐसी परिस्थितियों में लोकसेवकों में बैय, दुःख, विवेक, अत्याचार की शुरुआत, सत्यनिष्ठा एवं शौर्य के गुणों का प्रदर्शन महत्वपूर्ण है।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.8) Megha is a first-year sociology student at a reputed college in the national capital. She is originally from Tadchiroli, a tribal village in a western Indian state. Megha's family migrated to the city when she was seven years old and had not visited their village since. Though Megha has fond memories of her childhood there, she never deeply understood the customs and traditions of the region. One day, Megha expresses her wish to visit Tadchiroli. Her father agrees and asks her to inform Ratan, her paternal uncle, who still lives in the village with his family. Megha informs Ratan and travels to the village during a semester break. Upon arrival, she receives a warm welcome from Ratan and his family. Later, Ratan invites her to attend a local festival. During the event, Megha notices that her cousin Rinki is missing. Curious, she asks Ratan's wife Ratna why Rinki is not at the festival. Ratna explains that Rinki is on her period, and as per tradition, menstruating girls must stay separately in small huts built specifically for the purpose. Locally known as 'kurma ghars', they are generally located on the periphery of the village, near a river or pond. She further adds that these girls are not allowed to enter the main house or participate in any social or religious activities. Megha is taken aback. She asks whether all women follow this practice. Ratna nods and says it has been the custom for generations. Even schoolgirls stay in these huts and miss classes during their periods. Ratna admits that many in the village, including herself, never questioned the practice. The explanation unsettles Megha. She finds it hard to believe that a natural biological function leads to such exclusion. Before returning to the city, Megha observes that even educated family members seem to accept and follow these customs.

The experience leaves a deep impact on her. She starts reading more about menstrual taboos and their impact on women's health, dignity, and education. As a sociology student, she recognises how such traditions are linked to patriarchy and social stigma. She begins to reflect on what she can do at her level to improve the current situation, without alienating the community or disrespecting its traditions.

- Suggest a course of action Megha can take to sensitize her village community without appearing disrespectful or confrontational.
- What ethical principles and methods should guide her actions while engaging with the community?
- How is menstruation related to human rights? (20 marks, 250 words)

मेघा राष्ट्रीय राजधानी के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में समाजशास्त्र की प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह मूल रूप से पश्चिमी भारतीय राज्य के एक आदिवासी गांव ताडचिरोली की रहने वाली है। मेघा का परिवार जब वह सात साल की थी तब शहर में आ गया था और तब से अपने गांव नहीं गया था। हालांकि मेघा को अपने बचपन की बहुत अच्छी यादें हैं, लेकिन उसने कभी भी इस क्षेत्र के रीति-रिवाजों और परंपराओं को गहराई से नहीं समझा। एक दिन, मेघा ने ताडचिरोली जाने की इच्छा व्यक्त की। उसके पिता सहमत हो गए और उसे अपने मामा रतन को सूचित करने के लिए कहा, जो अभी भी अपने परिवार के साथ गांव में रहते हैं। मेघा ने रतन को सूचित किया और सेमेस्टर ब्रेक के दौरान गांव की यात्रा की। आगमन पर, रतन और उसके परिवार ने उसका गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में, रतन उसे एक स्थानीय उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है। रत्ना बताती है कि रंकी को मासिक धर्म चल रहा है और परंपरा के अनुसार, मासिक धर्म वाली लड़कियों को इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से बनाई गई छोटी झोपड़ियों में अलग रहना चाहिए। स्थानीय रूप से इसे 'कुर्मा' कहा जाता है। 'घर', वे आम तौर पर गांव के बाहरी इलाके में नदी या तालाब के पास स्थित होते हैं। वह आगे कहती है कि इन लड़कियों को मुख्य घर में प्रवेश करने या किसी सामाजिक या धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं है। मेघा आश्चर्यचकित है। वह पूछती है कि क्या सभी महिलाएं इस प्रथा का पालन करती हैं। रत्ना ने सिर हिलाया और कहा कि यह पीढ़ियों से प्रथा रही है। यहां तक कि स्कूली छात्राएं भी इन झोपड़ियों में रहती हैं और मासिक धर्म के दौरान कक्षाएं छोड़ देती हैं। रत्ना ने स्वीकार किया कि गांव में कई लोगों ने, जिनमें वह खुद भी शामिल हैं, इस प्रथा पर कभी सवाल नहीं उठाया। स्पष्टीकरण मेघा को परेशान करता है। उसे यह विश्वास करना मुश्किल लगता है कि एक प्राकृतिक जैविक कार्य इस तरह के बहिष्कार की ओर ले जाया जाता है। शहर लौटने से पहले, मेघा ने देखा कि शिक्षित परिवार के सदस्य भी इन रीति-रिवाजों को स्वीकार करते हैं और उनका पालन करते हैं। इस अनुभव का उस पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वह मासिक धर्म से जुड़ी वर्जनाओं और महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और शिक्षा पर उनके प्रभाव के बारे में और अधिक पढ़ना शुरू करती है। समाजशास्त्र की छात्रा होने के नाते, वह समझती है कि कैसे ऐसी परंपराएं पितृसत्ता और सामाजिक पूर्वाग्रह से जुड़ी हैं। वह इस बात पर विचार करने लगती है कि समुदाय को अलग-थलग किए बिना या उसकी परंपराओं का अनादर किए बिना, वह अपने स्तर पर वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिए क्या कर सकती है।



- a. मेघा द्वारा अपने गांव के समुदाय को असम्मानजनक या टकरावपूर्ण व्यवहार किए बिना संवेदनशील बनाने के लिए अपनाई जा सकने वाली कार्यवाही का सुझाव दीजिए।
 b. समुदाय के साथ जुड़ते समय उसके कार्यों को किन नैतिक सिद्धांतों और तरीकों से निर्देशित किया जाना चाहिए?
 c. मासिक धर्म मानव अधिकारों से किस प्रकार संबंधित है? (20 अंक, 250 शब्द)

उपरोक्त केस स्टडी पारंपरिक मान्यताओं के चलते लैंगिक बहिष्कार की बेकरार एक अस्थिर चेतना युक्त महिला में उच्च स्वाभाविक प्रश्नों को समाहित करती है।

(a) मेघा द्वारा अपनाई जा सकने वाली कार्यवाही

① मेघा द्वारा ग्रामीण समुदाय को सर्वप्रथम नैतिक मार्गदर्शन की पल करनी होगी।

② इसके तहत वह गांववालों को बताएगी कि ऐसे धर्म ग्रंथों में ऐसी भेद प्रथा नहीं है और यह अनैतिक है।



③ जिन मामलादियों का नैतिक ज्ञान है उनके
अध्योग से भ्रष्टाचार परिवर्तन का प्रयास
करना।

④ 'अनुमान' के माध्यम से उनकी परंपरागत
सूच्य का खंडन करना।

⑤ कहना कि कानूनशास्त्र व उगादि
में यह कितनी कायक हैं।

⑥ रोल मॉडल के द्वारा
कहना कि यह प्रथा नैतिक व
अनुचित है।

(b) समुदाय से जुड़े समय आवश्यक
नैतिक आदर्श जो निर्दिष्ट करेंगे

① बाँट की कर्तव्य के लिए कर्तव्य की
चैतना



2) डॉल का सामर्थ्य का दिग्ग

(जो प्रयासों के लिए गलत व दूसरों के लिए भी अनुचित)

3) डॉल के अनुसार संय को राज्य के राज्य का विधान मानना

(क्योंकि मेधा को जान है कि यह अनुचित है)

4) प्रमुख स्वार्थवाद (महिलाओं की उन्नति - देश की प्रगति → मुझे भी लाभ)

5) परिष्कृत सुखवाद (नैतिकता की स्थापना → मानसिक सुख)

6) 'प्रसूत' व अभिष्ट परिवर्तन

(गांव वालों के सम्मानित नेता का सहयोग)

7) भावनात्मक बुद्धि (गांव वालों के संकेतों का उचित प्रबंधन)

(c) मानसिक धर्म का मानस विचार से संबंध

① यह दिश्यों में प्राकृतिक बैकिक प्रक्रिया जो मानवता को शक्ति देने में ही कल्याण।

② स्त्री की वृद्ध पहचान मानव है जो नैतिकता के वृद्ध में उत्थार है।

③ मानसिक धर्म के कारण कठिनाई से बैरभाव, असह्यक्षीयता, बौद्धिक पिछड़ापन जैसे मानस विचार बनना।

कम प्रकार 'सिमोन द फाउंड'

के शक्तियों में - स्त्री बनने की जगह समाज स्वयं स्त्री को बनने देना अधिक न्यायपूर्ण समाज स्वयं होना।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table.			
Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.9) Gopal is an 80-year-old man living in a remote and an underdeveloped village in a Central Indian state. He had been residing in a small mud house for years. When he came to know about the Pradhan Mantri Awas Yojana–Gramin (PMAY-G), he saw a glimmer of hope for a pucca house in the last phase of his life. However, the village sarpanch and panchayat secretary told him that to be eligible under the scheme, he must first demolish his existing house so that during a site inspection, no structure would be visible at the location. Subsequently, Gopal demolished his shelter and began living under a babool tree. For nearly six months, he has been staying in the open, braving harsh weather conditions. During this time, he has repeatedly visited the panchayat office but has been told that his application cannot be processed as he lacks the necessary documents.

You are the officer-in-charge of implementing PMAY-G in the district. The case of Gopal reaches you through a prominent newspaper report. You personally visit him to understand the situation on the ground. After meeting him and listening to his account, you feel that he certainly needs support. Your enquiries confirm that he is truly destitute and living in a pitiable condition under the open sky. It is also established that he demolished his house based on a faulty interpretation of the scheme by panchayat officials. However, he has no documents to show that he fulfils the eligibility criteria under the scheme.

Now you are in a dilemma. Including him under the scheme without the necessary documents would clearly be a violation of rules. But denying him support would be cruel and inhuman.

- Can you think of a rational way to resolve this dilemma?
- Give your reasons for it.
- What are the ethical issues involved in the above case?

(20 marks, 250 words)

गोपाल 80 वर्षीय वृद्ध हैं जो मध्य भारत के एक सुदूर और अविक्सित गाँव में रहते हैं। वह वर्षों से एक छोटे से कच्चे घर में रहे थे। जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण (PMAY-G) के बारे में पता चला, तो उन्हें अपने जीवन के अंतिम चरण में एक पक्के घर की आशा की एक किरण दिखाई दी। हालाँकि, गाँव के सरपंच और पंचायत सचिव ने उन्हें बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र होने के लिए, उन्हें पहले अपने मौजूदा घर को गिराना होगा ताकि स्थल निरीक्षण के दौरान उस स्थान पर कोई संरचना दिखाई न दे। इसके बाद, गोपाल ने अपना घर तोड़ दिया और एक बबूल के पेड़ के नीचे रहने लगे। लगभग छह महीने से, वह कठोर मौसम की मार झेलते हुए खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। इस दौरान, उन्होंने बार-बार पंचायत कार्यालय का चक्कर लगाया, लेकिन उन्हें बताया गया कि आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में उनके आवेदन पर कार्रवाई नहीं की जा सकती।

आप ज़िले में PMAY-G के क्रियान्वयन के प्रभारी अधिकारी हैं। गोपाल का मामला एक प्रमुख समाचार पत्र की रिपोर्ट के माध्यम से आप तक पहुँचता है। आप ज़मीनी हालात को समझने के लिए व्यक्तिगत रूप से उससे मिलने जाते हैं। उससे मिलने और उसकी आपबीती सुनने के बाद, आपको लगता है कि उसे निश्चित रूप से मदद की ज़रूरत है। आपकी पूछताछ से यह पृष्टि होती है कि वह वास्तव में बेसहारा है और खुले आसमान के नीचे दयनीय स्थिति में रह रहा है। यह भी स्थापित होता है कि उसने पंचायत अधिकारियों द्वारा योजना की गलत व्याख्या के आधार पर अपना घर गिरा दिया था। हालाँकि, उसके पास यह दिखाने के लिए कोई दस्तावेज़ नहीं है कि वह योजना के तहत पात्रता मानदंडों को पूरा करता है।

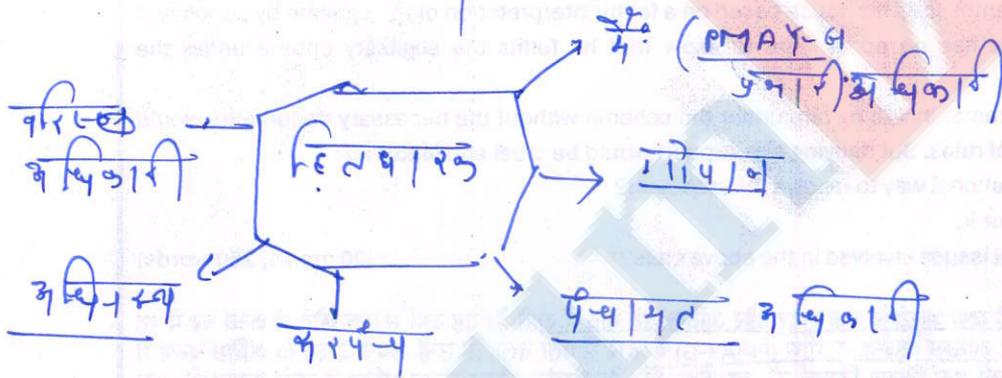
अब आप दुविधा में हैं। बिना ज़रूरी दस्तावेजों के उसे योजना में शामिल करना साफ़ तौर पर नियमों का उल्लंघन होगा। लेकिन उसे सहायता देने से इनकार करना क्रूरता और अमानवीय होगा।

- क्या आप इस दुविधा को हल करने का कोई तर्कसंगत तरीका सोच सकते हैं?
- इसके लिए अपने कारण बताइए।
- उपरोक्त मामले में नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(20 अंक, 250 शब्द)



अपरोक्ष प्रकरण प्रभावित की शक्ति
जमीनी स्तर पर बाने वाली नियमकला
कानून वैदिक अविभाजन की दुविधा
को उकल करना है।



(v) दुविधा को हल करने का लक्ष्य
नरीका

① सर्वप्रथम गोपाल के लिए जरूरी
दस्तावेज बनाना।

- उदा: मरदाना पहचान पत्र,
- भाधार कार्ड
- राशन कार्ड



(2) पंचायत द्वारा उनकी वेधर होने की पुष्टि के पर्याय PMAY-G में नामांकन करवाना।

(3) त्वरित कारवाई द्वारा पम्पे घर का निर्माण मुनिमित्त करवाना।

(b) मेरी कारवाही के कार्य

(1) कल्याणकारी राज्य का नैतिक अवधारणित्व

(2) संगैथानिक कार्यों की स्थापना
* लक्ष्यों

(DPSP 46. वंशित वर्गों का कल्याण)

(3) सांवाजिक न्याय का पक्रिा लक्ष्य (प्रस्तारणा)

(4) संस्लापेजों के अकार में वंशना
अनेनिक।

(5) कल्या की चेतना (काँट)
* निरपेक्षा आदेश



- 6) परिष्कृत सुषवाह (वैश्वीयों का इत्यादि)
→ मानसिक सुख
- 7) उदारवाद व उपयोगितावाद (एक व्यक्ति एक इंसान)
- 8) समाजशास्त्र समाज का इतिहास
- 9) जीवन की आपके अवधारणा
- 10) अशासक (code of ethics) का अनुपालन।
- 11) गांधी के 'सर्वोदय' के अंगत।
- 12) विद्यमान नैतिक मुद्दे
- 13) असहिष्णुता - (पंचायत द्वारा जनशक्ति → सुख का जीवन संकट में)

② नियम बनाम अंतरात्मा की दुविधा।

③ उशासन की हीगलवादी मानसिकता
(स्वयं को मालिक समझना)

④ हाजिर पर मौजूद वर्गों की द्वितीय
स्थिति।

इस प्रकार उपररोम उदरम में
मेरा लक्ष्य 'सार्कमौमिठ' रैनिठ मूल्यों
से उपेक्षा लेकर न्यायोमिठ कारवाई
का रहेगा।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.10) You are working as an Assistant Section Officer in the District Development and Panchayat Office. One day, one of your close colleagues approaches you in deep distress. She tells you that her father is suffering from a severe liver condition, and the doctors have clearly stated that he must undergo liver transplant immediately in order to survive. She shares that she has no health insurance, and the surgery would cost around Rs 15 lakh. You are aware that her husband passed away a few years ago, and that she also has a four-year-old son with special needs. Just a few weeks ago, she also lost all her savings in a digital arrest scam. As a widow from a lower middle-class family, her options are extremely limited. Although you feel deeply empathetic, you are unable to offer financial assistance, as you do not have the resources to help.

A few weeks later, you enquire about her father's health. She informs you that the liver transplant surgery was successful and that her father is now recovering steadily. Relieved, you ask how she managed to arrange the funds. Hesitantly, she confides that the District Development and Panchayat Officer (DDPO) helped her. Moved by her situation, the DDPO facilitated the release of Rs 15 lakh from the fund allocated to a rural sanitation scheme. The implementation of this scheme had been put on hold for a year due to technical issues and pending site approvals. She explains that the amount was provided on the assurance of strict confidentiality and with a commitment to repay it at the earliest. She expresses deep gratitude for the DDPO's timely help, which she believes saved her father's life. She has already begun repaying the money and will continue to do so until it is all returned.

- Discuss the ethical issues involved in the case.
- Examine the behavior of DDPO from an ethical point of view.
- How would you react to the situation?

(20 marks, 250 words)

आप जिला विकास एवं पंचायत कार्यालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। एक दिन, आपकी एक करीबी सहकर्मी बेहद परेशान होकर आपके पास आती है। वह आपको बताती है कि उसके पिता लिवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं और डॉक्टरों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जीवित रहने के लिए उन्हें तुरंत लिवर ट्रांसप्लांट करवाना होगा। वह बताती है कि उसके पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है और सर्जरी में लगभग 15 लाख रुपये खर्च होंगे। आपको पता है कि उसके पति का कुछ साल पहले निधन हो गया था और उसका एक चार साल का बेटा भी है जिसे विशेष ज़रूरतें हैं। कुछ हफ्ते पहले ही, उसने एक डिजिटल अरेस्ट स्कैम में अपनी सारी जमा-पूंजी गँवा दी थी। एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार की विधवा होने के नाते, उसके विकल्प बेहद सीमित हैं। हालाँकि आप गहरी सहानुभूति रखते हैं, लेकिन आप आर्थिक मदद नहीं कर सकते, क्योंकि आपके पास मदद करने के लिए संसाधन नहीं हैं।

कुछ हफ्ते बाद, आप उसके पिता के स्वास्थ्य के बारे में पूछते हैं। वह आपको बताती है कि लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी सफल रही और उसके पिता अब तेज़ी से ठीक हो रहे हैं। राहत महसूस करते हुए, आप पूछते हैं कि उसने पैसे का इंतज़ाम कैसे किया। झिझकते हुए, वह बताती है कि जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (DDPO) ने उसकी मदद की। उसकी स्थिति को देखते हुए, DDPO ने ग्रामीण स्वच्छता योजना के लिए आवंटित निधि से 15 लाख रुपये जारी करने में मदद की। तकनीकी समस्याओं और स्थल की मंजूरी न मिलने के कारण इस योजना का क्रियान्वयन एक साल के लिए रोक दिया गया था। वह बताती है कि यह राशि पूरी गोपनीयता के आश्वासन और जल्द से जल्द चुकाने की प्रतिबद्धता के साथ प्रदान की गई थी। वह DDPO की समय पर की गई मदद के लिए गहरा आभार व्यक्त करती है, जिससे उसे लगता है कि उसके पिता की जान बच गई। उसने पैसे चुकाना शुरू कर दिया है और जब तक पूरा पैसा वापस नहीं मिल जाता, तब तक वह ऐसा करती रहेगी।

- मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें।
- नैतिक दृष्टिकोण से DDPO के व्यवहार की जांच करें।
- आप इस स्थिति पर क्या प्रतिक्रिया देंगे?

(20 अंक, 250 शब्द)



विद्यमान कैम क्लड 'मानुशुलि'
 नाम विधिक ढाँचि व की दुविधा व
 विवेकाधीन बलि व पर डे दुरुपयोग
 की भारीका को चिहिन करती है।

(a) विद्यमान नैतिक मुद्दे

- ① जीवन का संकट - (पिता की विधवा)
- ② संसाधन वित्त व अभाव स्थिति
(मेरे अरा अहदन
करवाना)
- ③ स्वास्थ्य सेवाओं में उच्च
out of pocket expenditure की
वित्त (15 लाख)
- ④ विधवा उत्तराधिकारी पर जिम्मेदारियों
की कमी
- ⑤ DDPO द्वारा विवेकाधीन बलि
का दुरुपयोग



6) व्यक्तिगत हित को सार्वजनिक हित पर प्राथमिकता का मुद्दा

(ग्रामीण स्वच्छता योजना में देरी)

7) निम्न कनाम नैतिक दायित्व की दृष्टि से।

(b) नैतिक दृष्टिकोण से DRPO के व्यवहार की जाँच।

पक्ष 1) आपात स्थिति में महिला उमेद्वारी का सहयोग।

2) लीडर शिप - उमेद्वारी कामगोक्ल करेगा।

3) 'जान बचाना' श्रेष्ठतर कर्तव्य (डॉल का सार्वजनिक हित का नियम)



विषय

1. 'सादुम्हिस शुभ' की कवचोर करने वाला निर्गम (ग्रामीण स्वच्छता योजना में देरी → विमारियाँ → मौतें)

2. निधियों का उल्लंघन।

3. किवेकाचीन शक्ति व पर का दुरुपयोग

4. अधिकतम लोगों का मुख्य अधिक उचित (उपयोगितावाद)

(c) मेरी प्रतिक्रिया

1. मेरे अनुसार DRP का निर्गम अनुचित व अर्थहीन है।

2. यह गलत पूर्व-उदाहरण की स्थापना करना है।

3. यह ग्रामीण क्षेत्रों में विमारियाँ

को बनाकर 'सार्वभौमिकता' के
कांठ के सिद्धांत का उल्लंघन है।

④ वेल्शर होगा DDPO 'क्राइम फंडिंग'
था सौवाल मीडिया अपील का
रास्ता अपनाए।

इस प्रकार विधि व नियमों
के उल्लंघन द्वारा सांख्यिक जनकल्याण
को प्रभावित करती उभिर
निर्णय नहीं है।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.11) Nithin is the head of the Marketing Department at Pehnava Clothings Ltd., a reputed apparel manufacturing company with a strong global presence. Known for its professionalism and consistent performance, the company had earned a credible name in both domestic and international markets. However, the firm was going through difficult times. For three consecutive quarters, it had witnessed a steep decline in sales. This trend had raised serious concerns among the top management regarding the company's competitiveness, profitability, and long-term stability. To address the situation, the leadership decided to restructure the marketing division and bring in dynamic leadership. A senior marketing executive, Mr. A, was hired after a rigorous selection process. He had an impressive career record and was known for turning around sales performance in other firms and building strong brand identities. With high expectations placed upon him, Mr. A was seen as the key figure to steer the company out of crisis. Mr. A soon began delivering results. Within a year, the company's revenue had almost doubled, and its brand visibility had increased significantly. His bold marketing strategies, proactive outreach, and innovative campaigns received appreciation from various quarters within the company. His performance drew the attention of the top management. There were deliberations about assigning him a larger role within the company, with a focus on long-term business strategy. He was also being considered for an internal award for 'Excellence in Leadership and Innovation'. However, alongside professional success of Mr. A, Nithin began receiving troubling feedback about his conduct in the workplace. Informal reports indicated that he frequently made inappropriate comments about women. In addition, he regularly sent indecent messages via social media apps to all team members, including his female colleagues. Although no formal complaint was lodged initially, Nithin could sense tension within the team, and signs of discomfort were becoming increasingly apparent. Some employees even started avoiding direct interaction with Mr. A. Team morale and interpersonal trust were gradually eroding, but employees remained hesitant to speak openly. The matter escalated one evening when Mrs. X, one of Mr. A's team members approached Nithin. Visibly disturbed and emotionally shaken, she disclosed that Mr. A had repeatedly engaged in inappropriate behavior towards her. She added that Mr. A had been making undesirable advances towards her and had even tried to touch her inappropriately in his cabin. She urged Nithin to take appropriate action in the matter, or else she would have no option but to resign from her position.

- Bring out the ethical issues involved in this case.
- What are the options available to Nithin?
- Critically examine each of the options identified by Nithin.
- Which of the options, do you think, would be more appropriate for Nithin to adopt and why?

(20 marks, 250 words)

नितिन पहनावे क्लोथिंग लिमिटेड में मार्केटिंग विभाग के प्रमुख हैं, जो एक प्रतिष्ठित परिधान निर्माण कंपनी है जिसकी वैश्विक स्तर पर मजबूत उपस्थिति है। अपनी व्यावसायिकता और निरंतर प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली इस कंपनी ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में एक विश्वसनीय नाम कमाया था। हालांकि, कंपनी कठिन दौर से गुजर रही थी। लगातार तीन तिमाहियों से, इसकी बिक्री में भारी गिरावट देखी गई थी। इस प्रवृत्ति ने कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मकता, लाभप्रदता और दीर्घकालिक स्थिरता को लेकर शीर्ष प्रबंधन के बीच गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी थीं। इस स्थिति से निपटने के लिए, नेतृत्व ने मार्केटिंग विभाग का पुनर्गठन करने और गतिशील नेतृत्व लाने का निर्णय लिया। एक वरिष्ठ मार्केटिंग कार्यकारी, श्री A, को एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद नियुक्त किया गया। उनका करियर रिकॉर्ड प्रभावशाली था और वे अन्य फर्मों में बिक्री प्रदर्शन को बेहतर बनाने और मजबूत ब्रांड पहचान बनाने के लिए जाने जाते थे। उनसे काफ़ी उम्मीदें लगाई जा रही थीं, इसलिए श्री A को कंपनी को संकट से उबारने वाले प्रमुख व्यक्ति के रूप में देखा गया। श्री A ने जल्द ही परिणाम देने शुरू कर दिए। एक साल के भीतर, कंपनी का राजस्व लगभग दोगुना हो गया और इसकी ब्रांड दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उनकी साहसिक मार्केटिंग रणनीतियों, सक्रिय आउटरीच और अभिनव अभियानों को कंपनी के भीतर विभिन्न क्षेत्रों से सराहना मिली। उनके प्रदर्शन ने शीर्ष प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया। कंपनी में उन्हें दीर्घकालिक व्यावसायिक रणनीति पर केंद्रित एक बड़ी भूमिका सौंपने पर विचार-विमर्श हुआ। उन्हें 'नेतृत्व और नवाचार में उत्कृष्टता' के लिए एक आंतरिक पुरस्कार के लिए भी विचार किया जा रहा था। हालांकि, श्री A की व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ, नितिन को कार्यस्थल पर उनके आचरण के बारे में परेशान करने वाली प्रतिक्रियाएँ मिलने लगीं। अनौपचारिक रिपोर्टों से संकेत मिलता था कि वह अक्सर महिलाओं के



बारे में अनुचित टिप्पणियाँ करते थे। इसके अलावा, वह नियमित रूप से सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से अपनी महिला सहकर्मियों सहित सभी टीम सदस्यों को अभद्र संदेश भेजते थे। हालाँकि शुरुआत में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई थी, लेकिन नितिन टीम के भीतर तनाव महसूस कर सकते थे, और बेचैनी के संकेत धीरे-धीरे स्पष्ट होते जा रहे थे। कुछ कर्मचारी तो श्री A के साथ सीधे बातचीत करने से भी कतराने लगे थे। टीम का मनोबल और पारस्परिक विश्वास धीरे-धीरे कम होता जा रहा था, लेकिन कर्मचारी खुलकर बात करने में हिचकिचा रहे थे। एक शाम मामला तब और बढ़ गया जब श्री A की टीम की एक सदस्य श्रीमती X, नितिन के पास पहुँचीं। स्पष्ट रूप से परेशान और भावनात्मक रूप से हिली हुई, उन्होंने खुलासा किया कि श्री A ने उनके साथ बार-बार अनुचित व्यवहार किया है। उन्होंने आगे बताया कि श्रीमान ए उनके प्रति अनुचित व्यवहार कर रहे थे और अपने केबिन में उन्हें अनुचित तरीके से छूने की भी कोशिश की थी। उन्होंने नितिन से इस मामले में उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया, अन्यथा उनके पास अपने पद से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

- इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों को स्पष्ट करें।
- नितिन के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं ?
- नितिन द्वारा पहचाने गए प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक परीक्षण करें।
- नितिन के लिए कौन सा विकल्प अपनाना अधिक उपयुक्त होगा और क्यों?

(20 अंक, 250 शब्द)

व्यावसायिक वास्तविकता में महिलाओं
की पुरस्कृत वातावरण प्रदान करना
प्रबंधन का नैतिक व विधिक
कार्यत्व है।

कैमरुद्दी व्यावसायिक हित
समाप्त विधिक उत्तरदायित्व व
मारीमा के अधिकार की रक्षा के
मध्य नैतिक दृष्टिवा उत्पन्न
करती है।



(क) शामिल नैतिक मुद्दे

(1) व्यावसायिक कमाव नियमित राशि
लिख (PDSM स्तर)

(2) कंपनी का प्रदर्शन बनाम बुद्धिमत्ता
के साथ मजबूत व्यवहार।

(3) टीम के मनोबल व पारम्परिक
विश्वास का कम होना।

(4) महिला कारकिर्द का भावनात्मक व
सांस्कृतिक उत्पीड़न।

(5) पेशेवर इच्छा के कारखाने अनुचित
व्यक्तिगत व सूक्ष्मजीव (जी A)

(6) नैतिक कारण निष्पक्ष कारवाई
करने का संकाय।



(b) नीम्न के पास उपलब्ध विकल्प

(c) आलोचनात्मक परीक्षण

विकल्प (A) -! शीमल \times की समझना व मुद्दे को हलाना

गुण

1. कंपनी के विकल्पों की A महत्वपूर्ण।

2. कंपनी की गुण
↓
कर्मचारियों की कैरियर
गुण
↓
मरिटेड मैरिटेड
(प्रबुद्ध स्वार्थवाद)

दोष

1. महिला कर्मचारियों के लिए असहज वातावरण।

2. कंपनी के उद्देश्य व उत्पादन में गिरावट की संभावना

3. श्री A का असुचित व्यवहार अनिर्दिष्ट होगा।

4. विधिक उल्लंघन (PSM Act)



प्रश्न (8) - श्री X व अन्य शर्मिष्ठों की परामर्श सुनवाई व श्री A को कम्प्लेंट स्तर पर जैलावनी।

गुण

दोष

① शर्मिष्ठों का धुंधलाने में विश्वास करेगा।

① श्री (A) के व्यवहार में कठोरता की गारंटी नहीं।

② कंपनी के लिए श्री A की पेशेवर दक्षता का लाभ

② लाभ को प्रतिष्ठा पर करीबना

③ कंपनी की 'गुडविल' उभारित हो सकती है।

प्रश्न (9) - श्री A का निर्वाचन व IEC

के तहत कार्यवाही

गुण

दोष

① विधि के प्रतिष्ठा

① कंपनी की गोपनीयता उभारित हो सकती है।

② स्वस्थ कार्य संस्कृति

③ ध्यान पाएँ।

(क) मेरे अनुसार निम्न (ए) उम्मीद
हैं क्योंकि :-

① अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक
दिल (कंपनी गुडविल व ब्रांड) से
समझौता नहीं।

② कामियों का मनोबल बढ़ेगा व
उत्पादकों व कंपनी के प्रति
अभिरुचि टीम तैयार होगी।

③ विधिक जवाबदेही पूरी होगी

④ अविषय में स्वास्थ्य कार्य संस्कृति
निर्मित होगी।

इस प्रकार मेरे द्वारा कॉल
'क निरपेक्ष माफिया' व 'अर्थ व नीतिज्ञान'
आधारित निर्णय लिया जाएगा।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table.			
Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			



Q.12) You are appointed as an officer heading the Air Quality Compliance Division of the Environment Pollution Control Board in Delhi-NCR. The region is witnessing alarming levels of air pollution, which typically worsen during the winter months due to various meteorological and anthropogenic factors. The situation has led to severe public health concerns, particularly affecting vulnerable groups such as the elderly, children, and those with respiratory illnesses. The Supreme Court has also raised serious concern over the deteriorating air quality in Delhi-NCR and has directed the administration to take immediate and effective measures to control pollution, especially during the winter months.

Your jurisdiction has a large number of small and medium-scale industries that were granted environmental clearance over the years. These industries form the backbone of the local economy and provide employment to a significant number of migrant workers. However, recent inspections and air quality monitoring reports indicate that a significant number of these units are operating in violation of prescribed air emission norms. As part of targeted measures to curb air pollution, you issued notices to all identified polluting units, directing them to apply for fresh environmental clearance certificates from the competent authority.

However, your decision triggered strong opposition from a section of industrial units, labour unions, and local politicians. Industrial owners argued that such action would lead to production shutdowns, financial losses, and shortages of their products in the market. Labour unions and workers also protested, fearing mass unemployment and livelihood insecurity. Local politicians and vested interests accused you of jeopardising the socio-economic stability of the region. You received representations from various quarters urging you to withdraw the notices and not initiate harsh measures, citing the interests of multiple stakeholders. Additionally, you began receiving anonymous threats, aimed at coercing you into reversing your decision. On the other hand, several of your colleagues supported your stance, encouraging you to act in the larger public interest. Several local NGOs and environmental groups rallied behind your actions, demanding the immediate closure of polluting units.

- Under the given conditions, what are the options available to you?
- Critically evaluate each of the options listed by you.
- What are the ethical dilemmas being faced by you?

(20 marks, 250 words)

आपको दिल्ली-एनसीआर में पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वायु गुणवत्ता अनुपालन प्रभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया है। इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्तर पर है, जो आमतौर पर सर्दियों के महीनों में विभिन्न मौसम संबंधी और मानवजनित कारकों के कारण और भी बदतर हो जाता है। इस स्थिति ने गंभीर जन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को जन्म दिया है, खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे कमजोर समूहों को प्रभावित किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और प्रशासन को प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और प्रभावी उपाय करने का निर्देश दिया है, खासकर सर्दियों के महीनों में।

आपके क्षेत्राधिकार में बड़ी संख्या में लघु और मध्यम उद्योग हैं जिन्हें वर्षों से पर्यावरणीय मंजूरी दी गई है। ये उद्योग स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों को रोजगार प्रदान करते हैं। हालांकि, हाल के निरीक्षणों और वायु गुणवत्ता निगरानी रिपोर्टों से पता चलता है कि इनमें से कई इकाइयाँ निर्धारित वायु उत्सर्जन मानदंडों का उल्लंघन करते हुए चल रही हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लक्षित उपायों के तहत, आपने सभी चिन्हित प्रदूषणकारी इकाइयों को नोटिस जारी कर उन्हें सक्षम प्राधिकारी से नए पर्यावरणीय मंजूरी प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया है।

श्रमिक संघों और स्थानीय राजनेताओं के एक वर्ग ने कड़ा विरोध किया। औद्योगिक मालिकों का तर्क था कि इस तरह के कदम से उत्पादन बंद हो जाएगा, वित्तीय नुकसान होगा और बाजार में उनके उत्पादों की कमी हो जाएगी। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और आजीविका की असुरक्षा की आशंका के चलते श्रमिक संघों और श्रमिकों ने भी विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय राजनेताओं और निहित स्वार्थों ने आप पर क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिरता को खतरे में डालने का आरोप लगाया। आपको विभिन्न पक्षों से ज्ञापन मिले, जिनमें विभिन्न हितधारकों के हितों का हवाला देते हुए, आपसे नोटिस वापस लेने और कठोर कदम न उठाने का आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त, आपको गुमनाम धमकियाँ भी मिलने लगीं, जिनका उद्देश्य आपको अपना फैसला बदलने के लिए मजबूर करना था। दूसरी ओर, आपके कई सहयोगियों ने आपके रुख का समर्थन किया और आपको व्यापक जनहित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। कई स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और पर्यावरण समूहों ने आपके कदमों का समर्थन किया और प्रदूषणकारी इकाइयों को तुरंत बंद करने की माँग की।

- दी गई परिस्थितियों में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- आपके द्वारा सूचीबद्ध प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
- आपके सामने कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(20 अंक, 250 शब्द)



उस स्तरी पर्यावरण बनाकर विकास की राही लगी की जलंत दुविधा को शामिल करनी है।

Q16

उपलब्ध विज्ञान व बालीयनात्मक सुझाव

विषय A - नयी पर्यावरणीय मैपूरी के आदेश को बरक करना

(+)

- 1) आजीविका व रोजगार सुरक्षित रहेगा

(-)

- 1) पर्यावरण उद्घाटन
- 2) स्थानीय आबादी



② अवांभी सामगरो का हिल

के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड

③ उद्योगों का विज्ञापन नुसतान नही होगा।

④ आरूहित हिल की अकडेला

⑤ विधिक दायित्व की अनदेखी।

विकल्प ④ ① नयी पर्यावरण मंजूरी के आदेश पर कौ रहा

गुण

दोष

① पर्यावरणीय नैतिकता

① उद्योगों को विज्ञापन हानि

② व्यापक हिल

② केरोनगारी

③ जीवन का अधिकार

③ जान का खतरा।

(अनु: 21)

Mentor Feedback Questions

- 1
- 2
- 3
- 4
- 5

Test Goal

- 1
- 2
- 3

Outcomes

-
-
-
-

Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 - 5.0	3.0 - 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 - 7.0	4.0 - 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
	Key / Relevant Point		
	Vague / Irrelevant		

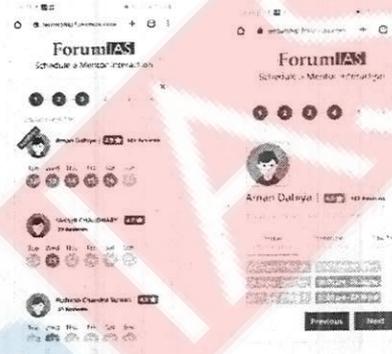
* Subject to change without prior notice.

Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL <https://mentorship.forumias.com> or Scan the QR code



When must you seek mentorship? When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link <https://blog.forumias.com/testimonials>

CSE 2024 - Topper's Testimonials and Test Copies

- CSE Rank 1 Shakti Dubey, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 4 Shah Margi Chirag, Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 6 Komal Punia, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 7 Aayushi Bansal, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 9 Aditya Vikram Agarwal, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 11 ETTABOYINA SA SHIVANI, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 15 BANNA VENKATESH, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 16 MADHAV AGARWAL, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 17 SANSKRITI TRIVEDI, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 18 Saumya Mishra, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 19 Vibhor Bhardwaj, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 20 Trilok Singh, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 21 DIVYANK GUPTA, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 22 Riya Saini, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 26 SHIVANSH SUBHASH JAGADE, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 28 RISHABH CHOUDHARY, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 31 SHREYA TYAGI, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 33 ALFRED THOMAS, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 34 ABHI JAIN, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 38 ABHISHEK SHARMA, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 41 Sachin Basavaraj Guttur, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 43 AVDHIIA GUPTA, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 44 MUDITA BANSAL, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 45 MALAVIKA G NAIR, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 48 RITIKA RATH, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 50 ANKUR TRIPATHI, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)